



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 26-2018] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 26, 2018 (ASADHA 5, 1940 SAKA)

## PART I-B

### Notifications by Commissioners and Deputy Commissioners

उपायुक्त, रेवाड़ी

आदेश

दिनांक 1 जून, 2018

**क्रमांक 933-977/66/स्थानीय.**— श्री ईश्वर सिंह फायरमैन कार्यालय नगरपरिषद रेवाड़ी को इस कार्यालय के ज्ञापन क्रमांक 4423/स्थानीय दिनांक 14.08.2014 द्वारा हरियाणा नागरिक सेवाएँ (दण्ड एवं अपील) नियमावली 1987 के नियम-7 के अन्तर्गत आरोपित किया गया था तथा कर्मचारी को 15 दिन के अन्दर-2 लिखित कथन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गये थे। श्री ईश्वर सिंह फायरमैन दमकल केन्द्र नगर परिषद रेवाड़ी पर निम्नलिखित आरोप है:—

**आरोप नम्बर :- 1 वह अपनी ड्यूटी से बार-2 अनुपस्थित रहने का आदी है :-**

माह सितम्बर, 2011	:- 09.09.2011 से 14.09.2011
माह नवम्बर, 2011	:- 10.11.2011 से 15.11.2011, 18.11.2011 से 22.11.2011
माह दिसम्बर, 2011	:- 10.12.2011 से 18.12.2011
माह अप्रैल, 2012	:- 21.04.2012 से 30.04.2012
माह मई, 2012	:- 01.05.2012 से 22.05.2012
माह जुलाई, 2012	:- 26.07.2012 से 31.07.2012
माह अगस्त, 2012	:- 01.08.2012 से 20.08.2012
माह मार्च, 2013	:- 22.03.2013 से 27.03.2013
माह जून, 2013	:- 09.06.2013 से 14.06.2013
माह सितम्बर, 2013	:- 25.09.2013 से 30.09.2013
माह अक्तूबर, 2013	:- 01.10.2013 से 09.10.2013, 25.10.2013 से 31.10.2013
माह नवम्बर, 2013	:- 01.11.2013 से 30.11.2013
माह दिसम्बर, 2013	:- 01.12.2013 से 24.12.2013
माह मार्च, 2014	:- 10.03.2014 से 24.03.2014

माह अक्तूबर, 2016	:- 30.10.2016 से 14.11.2016
माह मार्च, 2017	:- 25.03.2017 से 27.03.2017
माह अप्रैल, 2017	:- 06.04.2017 से 26.04.2017
माह जून, 2017	:- 18.06.2017 से 11.07.2017
माह अगस्त, 2017	:- 16.08.2017 से 06.09.2017
माह अक्तूबर, 2017	:- 20.10.2017 से अब तक।

#### आरोप नम्बर:- 2

यह कि दिनांक 15.03.2014 को मध्य रात्रि लगभग 12:00 बजे दमकल केन्द्र पर बने गैरिज में खड़ी फायर गाड़ी एच०आर०-47ए०-2365 के कैबिन में रखी गन-मैटल की एक शॉर्ट ब्रांच पाईप की चोरी करके गैराज से जैसे ही बाहर निकला, रात्रि के समय ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी श्री देशराज, फायरमैन ने श्री ईश्वर सिंह, फायरमैन (निलम्बित) को देख लिया तथा भागकर गाड़ियों के गैराज के बाहर पकड़ लिया। तलाशी लेने उपरान्त पता चला कि उसकी पैन्ट की जेब में गन-मैटल की एक शॉर्ट ब्रांच पाईप है। ड्यूटी पर तैनात फायर स्टाफ इन्द्रजीत फायरमैन, पवन कुमार फायरमैन, नवीन कुमार फायरमैन, मनोज कुमार फायरमैन, श्री रामदत्त चालक इत्यादी वॉचरूम से बाहर निकले। इसके इतिरिक्त दमकल केन्द्र अधिकारी को फायर स्टाफ क्वार्टर से मौके पर बुलाया गया। श्री ईश्वर सिंह, निलम्बित (फायरमैन) की सूचना पुलिस को दी गई। कुछ समय पश्चात पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो श्री देशराज चालक एवं श्री इन्द्रजीत फायरमैन, ईश्वर सिंह फायरमैन (निलम्बित) को लेकर थाना शहर रेवाड़ी के लिए निकले तो कुछ दूरी पर (डबल फाटक पर) पुलिस कर्मचारी आ गए तथा श्री ईश्वर सिंह फायरमैन (निलम्बित) को थाना शहर ले गए तथा साथ में श्री देशराज चालक व इन्द्रजीत फायरमैन भी गए। उपरोक्त के थाने में पहुंचने पर श्री बलवन्त सिंह दमकल अधिकारी को भी थाने में बुलाया गया और ईश्वर फायरमैन के विरुद्ध प्रार्थना पत्र बाबत एफ०आई०आर० दर्ज करवाने बारे दिया गया तथा मौके पर एफ०आई०आर० दर्ज की गई। श्री ईश्वर सिंह, फायरमैन (निलम्बित) को थाना शहर में पुलिस के सुपुर्द करके फायर स्टाफ वापस दमकल केन्द्र पर पहुंचा। इस प्रकार श्री ईश्वर सिंह फायरमैन, (निलम्बित) ने ड्यूटी से गैर हाजिर रहकर तथा नगर परिषद/सरकारी सम्पत्ति की चोरी व खुर्द बुर्द करके अपने आपको दण्ड का पात्र बनाया है।

श्री ईश्वर सिंह फायरमैन ने इस कार्यालय द्वारा भेजे गये ज्ञापन क्रमांक 4423/स्थानीय दिनांक 14.08.2014 का कोई जवाब कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया। जिसके कारण कर्मचारी के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की नियमित जांच नगराधीश, रेवाड़ी द्वारा करवाई गई। जांच अधिकारी की जांच रिपोर्ट क्रमांक 32/रीडर दिनांक 10.01.2018 के अनुसार श्री ईश्वर सिंह फायरमैन ने कार्यालय में बार-2 लिखित रूप में दिया था कि वह कार्यालय से गैर हाजिर नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त कर्मचारी द्वारा शपथ पत्र भी दिया गया था, लेकिन वह स्वैच्छा से अनुपस्थित रहने का आदी है जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। कर्मचारी दिनांक 15.03.2014 को मध्य रात्रि लगभग 12:00 बजे दमकल केन्द्र पर बने गैरिज में खड़ी फायर गाड़ी नं० एच०आर०-47ए०-2365 के कैबिन में रखी गन-मैटल की एक शॉर्ट ब्रांच पाईप की चोरी करके गैराज से जैसे ही बाहर निकला। रात्रि के समय ड्यूटी पर कर्मचारी श्री देशराज, फायरमैन ने श्री ईश्वर सिंह फायरमैन को देख लिया तथा आपको भागकर गाड़ियों के गैराज के बाहर पकड़ लिया। तलाशी लेने उपरान्त पता चाल कि उसकी पैन्ट की जेब में गन-मैटल की एक शॉर्ट ब्रांच पाईप है। ड्यूटी पर तैनात फायर स्टाफ इन्द्रजीत फायरमैन, पवन कुमार फायरमैन, नवीन कुमार फायरमैन, मनोज कुमार फायरमैन, श्री रामदत्त चालक इत्यादी वॉचरूम से बाहर निकले। इसके इतिरिक्त दमकल केन्द्र अधिकारी को फायर स्टाफ क्वार्टर से मौके पर बुलाया गया। श्री ईश्वर सिंह, निलम्बित (फायरमैन) की सूचना पुलिस को दी गई। कुछ समय पश्चात पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो श्री देशराज चालक एवं श्री इन्द्रजीत फायरमैन, ईश्वर सिंह फायरमैन को लेकर थाना शहर रेवाड़ी की तरफ चले तो कुछ ही दूरी पर (डबल फाटक चौक) पुलिस कर्मचारी आ गए तथा श्री ईश्वर सिंह (निलम्बित) फायरमैन को थाना शहर रेवाड़ी ले गए तथा साथ में ही श्री देशराज चालक व इन्द्रजीत फायरमैन भी गए। उपरोक्त के थाने में पहुंचने पर दमकल केन्द्र अधिकारी श्री बलवन्त सिंह को बुलाया गया तथा ईश्वर सिंह फायरमैन के विरुद्ध प्रार्थना पत्र बाबत एफ०आई०आर० दर्ज करवाने हेतु दिया गया एवं मौके पर ही एफ०आई०आर० दर्ज की गई। श्री ईश्वर सिंह, (निलम्बित) फायरमैन को थाना शहर में पुलिस के सुपुर्द करके फायर स्टाफ वापस दमकल केन्द्र पर पहुंचा। इस प्रकार श्री ईश्वर सिंह फायरमैन, (निलम्बित) ने ड्यूटी से गैर हाजिर रहकर तथा नगर परिषद/सरकारी सम्पत्ति की चोरी व खुर्द बुर्द करके अपने आपको दण्ड का पात्र बनाया है। जिससे स्पष्ट है कि वह लापरवाह व गैर जिम्मेवार कर्मचारी है। इस प्रकार कर्मचारी पर लगाए गए आरोप सही साबित होते हैं।

तदोपरान्त इस कार्यालय के यादी क्रमांक 93/66/स्थानीय दिनांक 16.01.2018 द्वारा उक्त कर्मचारी को नगराधीश रेवाड़ी से प्राप्त जांच रिपोर्ट की छायाप्रति भेजकर अपना लिखित प्रतिवेदन 30 दिन के अन्दर-2 इसक कार्यालय में भिजवाने बारे लिखा गया। कर्मचारी ने अपना जवाब दिनांक 21.02.2018 को इस कार्यालय में प्रस्तुत किया, जिसमें उसने वर्णन किया है कि आपके कार्यालय के पत्र क्रमांक 93/स्थानीय दिनांक 16.01.2018 के साथ नगराधीश रेवाड़ी एवं जांच अधिकारी की जांच रिपोर्ट क्रमांक 32/रीडर दिनांक 10.01.2018 छायाप्रति भेजी गई है तथा उसके साथ सभी कागजात संलग्न नहीं किये गए हैं जबकि सभी कागजात जांच रिपोर्ट के साथ संलग्न करने चाहिये थे। जांच अधिकारी द्वारा जांच की कार्यवाही हरियाणा नागरिक सेवाएं (दण्ड एवं अपील) नियमावली 1987 के नियमों के अन्तर्गत ना की गई। उपायुक्त महोदय, रेवाड़ी के पत्र क्रमांक 4423/स्थानीय दिनांक 14.08.2014 के साथ गवाहान की सूची लगाई गई थी, जिसमें गवाह नं० 1 बलवन्त सिंह दमकल केन्द्र

अधिकारी द्वारा रोस्टर रजिस्टर व एफ०आई०आर० की प्रति पेश करके पुष्टि करनी थी। परन्तु दिनांक 17.03.2015 के जांच अधिकारी के सम्मुख ब्यान में ऐसा ना किया गया है और ना ही गवाह का ब्यान शपथ पूर्वक लिखा गया है व ना ही उसको जिरह करने का मौका दिया गया है। गवाह श्री इन्द्रजीत फायरमैन, पवन कुमार फायरमैन, नवीन कुमार फायरमैन, मनोज कुमार फायरमैन नगरपरिषद रेवाड़ी चारो का जांच अधिकारी द्वारा दिनांक 17.03.2015 को सामूहिक ब्यान लिखा गया जो कि सरासर गलत है। इसके अलावा गवाह श्री देशराज फायरमैन का ब्यान दिनांक 17.03.2015 को लिखा गया, और गवाह की सूची में गवाह श्री रामपत फायरमैन, नगरपरिषद रेवाड़ी दर्शाया गया, जबकि जांच अधिकारी द्वारा श्री रामदत्त चालक का ब्यान लिखा गया उनको जिरह का मौका ना दिया गया है। कार्यकारी अधिकारी, नगरपरिषद रेवाड़ी ने उनके कार्यालय के पत्र क्रमांक 1231/सहायक दिनांक 16.05.2016 द्वारा रिपोर्ट जांच अधिकारी को भेजी गई की उसमें क्रमांक 8,9 पर ही लिखा है कि वेतन की अदायगी नहीं की गई और क्रमांक 1 से 7 व 10, 14 तक लिखा गया है कि वेतन की अदायगी की हुई है। अर्जित अवकाश स्वीकृत किये हुए है। जांच अधिकारी द्वारा मेरे खिलाफ चोरी व गैर हाजिर रहने का दोषी बताया गया है व रिकार्ड व तथ्यों के विरुद्ध बताया गया है। फौजदारी मुकदमा में जिरह के दौरान गवाहान श्री बलवन्त सिंह फायर आफिसर पी०डब्ल्यू-1 माना है He also stated during his crossed examination that no such illegal act was ever committed by the accused. He also stated that he himself was not on duty at that time. PW-3 श्री देशराज ने भी जिरह में यह माना है कि accused Ishwar singh was running absent from duty those days. He himself was also not on duty on that day. PW-4 श्री गोविन्द प्रसाद ए०एस०आई० ने भी जिरह में यह माना है कि That no recovery of the stole branch of the vehicle was effected by him from the possession of accused. माननीय Chief Judicial Magistrate, Rewari के आदेश दिनांक 20.10.2015 के खिलाफ मैने फौजदारी अपील नं० 97 ऑफ 2015 दिनांक 23.10.2015 को दायर की थी जिसमें माननीय श्री Parveen Gupta, Additional Session Judge, Rewari द्वारा दिनांक 18.05.2016 को यह आदेश पारित किये गए थे “Judgment of Conviction and order of sentence dated 20.10.2015 Passed the Learned Chief Judicial Magistrate, Rewari against the appellant accused are hereby set aside the appeal is allowed. The appellant stands acquitted of the charge under section 380 of Indian Penal code of for which he faced trail. इस प्रकार से उसको जांच अधिकारी द्वारा दोषी करार करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। उसके बूढ़े माता-पिता जी जो गांव में ही रहते हैं और उसके दो बच्चे हैं और घर में कमाई का कोई और साधन नहीं है। अन्त में कर्मचारी ने अनुरोध किया कि उसके जवाब पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए मामला फाईल करने का कष्ट करे। तदोपरान्त, श्री ईश्वर सिंह फायरमैन कार्यालय नगरपरिषद रेवाड़ी का जवाब संतोषजनक ना होने के कारण उसको न्याय की दृष्टि से दिनांक 14.03.2018 को प्रातः 9:30 बजे निजी सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। परन्तु कर्मचारी उक्त तिथि को हाजिर नहीं हुआ। तत्पश्चात इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 578/66/स्थानीय दिनांक 22.03.2018 द्वारा कर्मचारी को Dismissal from Service बारे द्वितीय कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए दिनांक 06.04.2018 के लिए प्रातः 10:00 बजे निजी सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया, परन्तु कर्मचारी निश्चित तिथि को समय पर हाजिर नहीं आया। उक्त कर्मचारी दिनांक 09.04.2018 को प्रातः 10:30 बजे उपस्थित हुआ तथा अपने गैर हाजिर रहने बारे लिखित रूप में प्रतिवेदन दिया कि वह टाईफाईड बुखार होने व मानसिक सतुलन बिगड़ने के कारण कार्यालय में हाजिर नहीं हो सका। कर्मचारी द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया और ना ही कोई साक्ष्य/सबूत पेश किये अपितु अपने द्वारा की गई गलती की क्षमा याचना की।

मैने फाईल का अध्ययन किया है तथा आरोपी श्री ईश्वर सिंह को भी व्यक्तिगत रूप से सुना है। श्री ईश्वर सिंह को नियम 7 के तहत कठोर सजा के अंतर्गत आरोपित किया गया था तथा इसकी जांच नगराधीश रेवाड़ी द्वारा की गई थी। आरोपी पर बिना अनुमति के कार्यालय से अनेकों बार गैर हाजिर रहने तथा चोरी के आरोप लगाए गए थे। नगराधीश द्वारा की गई जांच में इन आरोपों को सिद्ध किया गया है। इसके अतिरिक्त आरोपी ने अपने ब्यानों में स्वयं माना है कि ड्यूटी के दौरान वह शराब के नशे में रहता है।

आरोपी पर लगाए गए सभी आरोप गम्भीर प्रकृति के हैं। श्री ईश्वर सिंह लगभग दो-ढाई वर्ष के समय में बार-2 अनुपस्थित रहा है। कभी-कभी उसे घटना उपरान्त वेतन का भुगतान किया गया परन्तु दूसरी तरफ उसे कुछ समय का वेतन अदा नहीं किया गया। कुछ अनुपस्थित केसों में अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया। परन्तु यह स्पष्ट नहीं है कि इसकी अनुमति पहले ली गई थी या घटना उपरान्त। परन्तु इससे कर्मचारी पर लगाए गए आरोपों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। यह भी उल्लेखनीय है कि वेतन ना दिए जाने के बावजूद भी वह अपने आपको बिना पूर्व अनुमति के गैर हाजिर रहने से नहीं रोक पाया। यह उसका असंशोधनीय व्यवहार व अपनी ड्यूटी के प्रति अवमानना/तिरस्कार दर्शाता है। चोरी का आरोप भी श्री ईश्वर सिंह पर सिद्ध होता है। श्री ईश्वर सिंह ने बताया है कि उसने चोरी जान बूझकर नहीं की अपितु शराब के नशे के कारण ऐसा हुआ है।

अपने दिनांकित उत्तर में श्री ईश्वर सिंह ने जांच के तरीकों पर आपत्ति उठाई है लेकिन मैं उनको, यदि वह सही भी हैं, तो इतना गम्भीर नहीं मानता जिससे जांच रिपोर्ट निष्फल होती हो। कर्मचारी पर लगे चोरी के आरोप के सम्बन्ध में माननीय अपराधिक न्यायालय के आदेश को ध्यान में रख गया है। परन्तु यह अनुशासनिक कार्यवाही के अंतर्गत चल रही जांच के निष्कर्ष को प्रभावित नहीं करते क्योंकि अपराधिक न्यायालय में आरोपों को उचित संदेह से परे सिद्ध करना होता है जो अनुशासनिक जांच में इतना अनिवार्य नहीं है। श्री ईश्वर सिंह ने अपने ब्यानों में स्वयं माना है कि उसने चोरी शराब के नशे में की थी। आरोपी को दूसरा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उसे दिनांक 06.04.2018 को व्यक्तिगत सुनवाई का भी मौका दिया गया परन्तु वह उपस्थित नहीं हुआ जो उसके कार्यालय मामलों में असंशोधनीय व्यवहार दर्शाती है। कर्मचारी दिनांक 09.04.2018 को उपस्थित हुआ। न्याय के हित में तथा इस आधार पर कि उसे अपनी सफाई देने का पूर्ण अधिकार है,

उसे अपने आप को बचाव करने का पूर्ण मौका दिया गया। व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान उसने बताया कि वह बीमार होने के कारण अनुपस्थित रहा है। जब उससे इतने लम्बे समय तक बीमार रहने के सम्बन्ध में कोई प्रमाण दिखाने बारे पूछा गया तो उसने कहा कि उसके दस्तावेज गुम हो गए हैं। उसने बताया कि माननीय न्यायालय द्वारा चोरी के केस में उसे बरी किया जा चुका है। यदि उसे एक मौका दिया जाए ता वह भविष्य में अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पित रहेगा। उसने आगे बताया कि उसके प्रति सहानुभूति का रुख अपनाया जाए क्योंकि उसे अपने परिवार का पालन पोषण करना है। उसे बताया गया कि वह इस सम्बन्ध में कुछ कहना चाहता है तो लिखित रूप में भी अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकता है। इसकी पालना में उसने दिनांक 09.04.2018 को अपने लिखित ब्यान प्रस्तुत किये जिसमें उसने जो उसने जुबानी तौर पर कहा था लगभग उन्हीं का उल्लेख किया।

मैंने सारे मामले का अध्ययन कर लिया है श्री ईश्वर सिंह एक गैर जिम्मेवार कर्मचारी है जिसमें जिम्मेदारी की कोई भावना नहीं है। अग्निशमन सेवाएं आपातकालीन सेवाएं होने के कारण एक फायरमैन से यह आशा की जाती है कि वह अपनी ड्यूटी पर तैनात रहे और अनुशासन में रहकर अपनी जिम्मेवारी को समझे। उसे काफी मौके देने उपरान्त भी वह अपने व्यवहार में सुधार करने में असफल रहा। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए मौका दिए जाने पर भी उसकी अनुपस्थिति उसके द्वारा भविष्य में किए जाने वाले अच्छे व्यवहार के वादे का विराधाभाश करती है। चोरी के आरोप, कुछ संदेह के साथ सिद्ध होते हैं, जैसा कि उसके बयानों से स्पष्ट है तथा उससे उसकी ईमानदारी एवं सत्यन्दिता के प्रति गम्भीर प्रश्न पैदा हो जाते हैं। मैं पूर्णतया सन्तुष्ट हूँ कि श्री ईश्वर सिंह को सेवा में रखना जनहित में नहीं है। इसलिए मैं पंकज, भा०प्र०से०, उपायुक्त रेवाड़ी श्री ईश्वर सिंह, फायरमैन को तुरन्त प्रभाव से सेवा से बर्खास्त (Dismissal from Service) करता हूँ। इन आदेशों से सभी सम्बन्धित को सूचित किया जाये।

दिनांक 1 जून, 2018.

(हस्ता०)...,  
उपायुक्त, रेवाड़ी।